### कारोबारी और बुनियादी ढांचे के विकास में मील का पत्थर साबित हुआ साल

# आसान हुईं नीतियां तो चमकी प्रदेश की कारोबारी सूरत

अभिषेक गुप्ता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश ने निवेश आकर्षण, औद्योगिक व अवस्थापना विकास की रफ्तार जारी रखी। इससे राज्य देश के सबसे पसंदीदा निवेश गंतव्य के रूप में उभरा। कारोबारी माहौल में 27 से अधिक निवेश नीतियों ने सुधार किया। राष्ट्रीय जलमार्ग-1 के टर्मिनलों में वाराणसी के अस्सी घाट व राजघाट शामिल हुए। प्रदेश में 425 किमी के साथ अंतर्देशीय जलमार्ग अवस्थापना सुविधा तेजी से आगे बढ़ी।

**24**

लॉजिस्टिक्स में सुधार के लिए प्रदेश में नई वेयरहाउसिंग व लॉजिस्टिक्स नीति-2022 घोषित हुई। इससे प्रदेश को उत्तर भारत में प्रमुख लॉजिस्टिक हब के रूप में उभरने में मदद मिली। प्रदेश को लीड्स सर्वे में लैंडलॉक्ड क्लस्टर में अचीवर्स श्रेणी में जगह मिली। एफडीआई नीति, डेयरी प्रोत्साहन नीति, डिफेंस व एयरोस्पेस नीति, निर्यात प्रोत्साहन नीति, इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण नीति ने उद्योगों को आकर्षित किया।

प्रदेश सरकार कई औद्योगिक विकास व निर्यात केंद्र विकसित कर रही है। इनमें यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण क्षेत्र में सेमीकंडक्टर पार्क और डाटा सेंटर पार्क के साथ इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम डिजाइन व मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर शामिल हैं। अन्य प्रमुख परियोजनाओं में पीएम मित्र योजना के तहत लखनऊ-हरदोई में मेगा इंटीग्रेटेड टेक्सटाइल व अपैरल पार्क, हरदोई-कानपुर में मेगा लेदर क्लस्टर की बाधाएं दूर की गईं। आगरा और प्रयागराज में इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर विकसित किए जा रहे हैं।

**1,700**

**हेक्टेयर भूमि डिफेंस सेक्टर के लिए हासिल कर ली गई है**

## एक्सप्रेसवे ने बढ़ाई विकास की रफ्तार

पूर्वांचल, बुंदेलखंड और ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे के संचालन से यातायात के समय में कमी आई। गंगा, गोरखपुर लिंक, बलिया लिंक और चित्रकूट लिंक एक्सप्रेसवे पर काम शुरू हुआ। प्रयागराज, कानपुर, आगरा, बरेली, हिंडन, अलीगढ़, आजमगढ़, चित्रकूट, मुरादाबाद, श्रावस्ती और गोरखपुर समेत कई शहरों के 11 घरेलू हवाई अड्डों ने प्रदेश के विकास में अहम योगदान दिया। गौतम बुद्ध नगर के जेवर में निर्माणाधीन नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा निर्माण के अंतिम चरण में पहुंच गया।

## डिफेंस सेक्टर में आगे बढ़ा प्रदेश

प्रदेश सरकार डिफेंस सेक्टर में केंद्र के आत्मनिर्भर भारत के विजन को पूरा करने के लिए काम कर रही है। प्रस्तावित 5,000 हेक्टेयर में 1,700 हेक्टेयर भूमि हासिल कर ली गई है। प्रमुख आवंटनों में ब्रह्मोस एयरोस्पेस, भारत डायनेमिक्स, अदानी डिफेंस एंड एयरोस्पेस, एंकोर रिसर्च लैब्स, एरोलॉय टेक्नोलॉजीज, डेल्टा कॉम्बैट सिस्टम्स, एमीटेक इलेक्ट्रॉनिक्स हैं।

## कंट्री डेस्क मददगार

इन्वेस्ट यूपी के तहत तीन समर्पित कंट्री डेस्क स्थापित किए गए, जो प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आकर्षित करने में सहायक होंगे। इसमें अमेरिका प्लस डेस्क (संयुक्त राज्य अमेरिका-यूएसए और कनाडा), यूरोप प्लस डेस्क (यूके, नीदरलैंड्स, जर्मनी, फ्रांस, स्पेन व स्विटजरलैंड) और जापान प्लस (जापान व दक्षिण कोरिया) शामिल हैं।

## खास नीतियां

- प्रदेश सरकार द्वारा नवीन सेमीकंडक्टर नीति-2024 की घोषणा की गई।
- डिकार्बनाइजेशन को प्रोत्साहित करने के लिए उत्तर प्रदेश ग्रीन हाइड्रोजन नीति-2024 जारी की गई।
- उच्च शिक्षा नीति-2024, बायोप्लास्टिक उद्योग नीति-2024 और यूपी मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क नीति-2024 जारी हुई।